स्नातक हिन्दी - खण्ड-तीन

उपन्यास - उपन्यासकार

वस्तुनिष्ठ

— डॉ० मुन्ना साह

	उपन्यास	उपन्यासकार	विषयवस्तु
1.	'दूसरी बार' (1968)	— श्रीकांत वर्मा	'महानगरों में स्त्री-पुरुष के बीच उभरने वाले नये संबंधों का चित्रण।
2.	'विपात्र' (1970)	— मुक्तिबोध	'द्वितीय विश्व युद्ध और दफ्तर की जिन्दगी का बड़े पैमाने पर चित्रण।
3.	'उसका शहर' (1970)	— प्रमोद सिन्हा	'आधुनिकता बोध का चित्रण।
4.	'एक टुकड़ा इतिहास' (1975)	— गोपाल उपाध्याय	'दलित महिला चनुली के जीवन संघर्ष का चित्रण।
5.	'यह भी नहीं' (1976)	— महीप सिंह	'स्त्री पुरुष के असफल व तनावपूर्ण संबंध का अंकन।
6.	'नंगा शहर' (1977)	— भीमसेन त्यागी	'आधुनिक पूँजीवादी तंत्र की भयावह स्थिति का अंकन।
7.	'सोमा चरित्र' (1980)	— रमेशचन्द्र सिन्हा	'मानव समाज की पूँजीवाद से साम्यवाद की ओर यात्रा का अंकन।
8.	'खुदा सही सलामत है' (दो भाग) - 1982 & 1984	— रवीन्द्र कालिया	'नारी शोषण का चित्रण' & 'चुनावी राजनीति का अंकन'
9.	'आखिरी कलाम'	— दूधनाथ सिंह	'बाबरी मस्जिद ध्वंस की घटना पर आधारित।